अध्यक्ष हेनरी बी. आएरिंग द्वारा
प्रथम अध्यक्षता में प्रथम सलाहकार
अध्यक्ष हेनरी बी. आएरिंग

सुसमाचार को दिल से दिल तक बांटना

परमेश्वर अपने सेवकों को सुसमाचार के बांटने के लिए लोगों को इस तरह से तैयार करेगा । सब आप की अपनी खुद की जिन्दगी में वह हो चुका हैं । यह अक्सर कितनी बार तैयारी के लिए आपके दिलों और आपके दिमाग के ऊपर आधारित होता है ।

मेरे पास एक मित्र है जो प्रतिदिन किसी से मिलने की प्रार्थना करता है जो सुसमाचार को प्राप्त करने को तैयार हो । वह अपने पास मॉरमन की पुस्तक की प्रति रखता है । यात्रा से एक रात पहले उसने फैसला किया कि वह प्रति को अपने साथ नहीं लेकर जाएगा परन्तु कार्ड लेकर जाएगा । परन्तु जैसे ही वह जाने को हुआ, एक आत्मिक प्रेरणा उसपर आईः ''अपने साथ मॉरमन की पुस्तक ले ।'' उसने एक को अपने बैग रखा ।

जब एक महिला जिसे वह जानता था, उसके साथ यात्रा में बैठी, ''वह चकित हुआ, क्या यही है वह ?'' वह लौटते समय भी उसके साथ यात्रा पर थी । उसने सोचा, ''मुझे कैसे सुसमाचार की बात करूं ?''

उसके स्थान पर, उसने उससे कहा,''आप अपने गिरजे में दसमांश देते हो, देते हो ना ?'' उसने कहा वह देता है । वह बोली की वह अपने गिरजा में दसमांश देना तो चाहती थी परन्तु दे ना सकी । तब उसने पुछा, ''आप मॉरमन की पुस्तक के विषय में क्या बता सकते हो ''?

उसने समझया कि यह पुस्तक धर्मशास्त्र है, यीशु मसीह का अन्य नियम, जोसफ स्मिथ द्वारा अनुवाद की गई । वह रूचि लेती नजर आई, वे अपने बैग तक पहुंचा और कहा, ''मैं अपने साथ इस पुस्तक को लाने के लिए प्रभावित हुआ था । मैं सोचता हूं यह आप के लिए है ।''

वह उसे पढ़ने लगी । जैसे ही वे विदा होने लगे, वह बोली, ''आपको और मुझे इस विषय पर और अधिक वार्ता करनी होगी ।''

जो मेरा दोस्त न जान सका—परन्तु परमेश्वर वो जानता था—कि वह एक गिरजे की खोज रही थी । परमेश्वर जानता था वह मेरे दोस्त को खोज रही थी कि कैसे उसका गिरजा उसे इतना खुश रखता है । परमेश्वर जानता था कि वह मॉरमन की पुस्तक के बारे में पूछेगी और कि वह प्रचारकों के द्वारा सीखने की इच्छुक होगी । वह तैयार थी । वैसे ही मेरा दोस्त भी था । आप और मैं भी तैयार हो सकते हैं ।

वह तैयारी जिसकी हमें जरूरत है हमारे दिल और हमारे दिमाग में होती है । महिला ने मॉरमन की पुस्तक के शब्दों के बारे में सुना और, प्रभु ने गिरजे को, और परमेश्वर की दसमांश देने की आज्ञा को पुनःस्थापित किया था । और उसने अपने दिल में शुरू से साक्षी की सच्चाई को महसुस किया था ।

प्रभु ने कहा था वह हमारे दिल और हमारे दिमाग में पवित्रात्मा द्वारा सच्चाई को प्रकट करेगा (देखें सिओरअनु 8:2) । इस शुरू की तैयारी में आप में से बहुत से लोग मिलें होंगे । उन्होंने परमेश्वर और उसके शब्दों के विषय में सुना या पढ़ा हैं । यदि उन का मन नम्र है, वे महसूस करते हैं, धुंधला सा सही, सच्चाई की पुष्टी को ।

महिला तैयार थी । वैसे मेरा दोस्त, अंतिम दिनों का संत भी तैयार था, जिसने मॉरमन की पुस्तक का अध्ययन किया था । उसने गवाही को महसूस किया था जो कि सच्ची थी, और आपने साथ प्रति को रखने के आत्मा के निर्देश को पहचाना था । वह अपने दिल और दिमाग में तैयार था ।

परमेश्वर लोगों को आपकी सच्चाई की पुनःस्थापित गवाही को प्राप्त करने को तैयार करता है । उसे आपका विश्वास चाहिए और तब बिना डर के आपका बांटने का कार्य उनके लिए जो आपके लिए अनमोल और प्रिय हैं ।

प्रत्येक दिन सुसमाचार की सच्चाई से अपने मन को भर कर बांटने के लिए तैयार रहें । जैसे आप आज्ञाओं का पालन करते और अनुबंधों का आदर करते हैं,आप आत्मा की गवाही और उद्धारकर्ता के प्रेम का एहसास करेंगे अपने और उन के लिए जिन से आप मिलते हैं ।

यदि आप अपना भाग करते है, आपको लोगों से मिलने को सुखद अनुभव होगा जो आपकी सच्चाई की गवाही को सुनने के लिए—आपके दिल से उन के दिल तक देनें को तैयार हैं ।

इस संदेश से शिक्षा का

द्ध परिवार के साथ सन्देश का अध्ययन करने पर विचार करें और अंतिम से पहले छंद पर चर्चा करें जहां अध्यक्ष आएरिंग किसी की गवाही को बल देने पर चर्चा करते हैं । जब सुसमाचार को बांटते हैं परिवार के साथ गवाही के बांटने के महत्व पर चर्चा करें । परिवार में बच्चों को किस प्रकार से गवाही बांटी जाती है की भूमिका अदा करने में मदद मिल सकती है ।

युवा

जानना कि क्या कहना है

यदि आप का लगता है आप दूसरों के साथ बांटने के लिए सुसमाचार के विषय में अधिक नहीं जानते हैं,, तो धर्मशास्त्रों के इन वादों से दिलासा लें :

''इन लोगों पर अपनी आवाज को उपर उठाओ; अपने विचारों को बोलो जिन्हें मैंने तुम्हारे दिलों में डाला है, और तुम्हें कभी भी मनुष्य के सामने शार्मिदा न होने दूंगा;

''क्योंकि यह तुम्हें ठीक उसी समय दिया जाएगा, हां, ठीक उसी क्षण, कि तुम क्या बोलोगे'' (सि.और अनु 100:5–6) ।

''परन्तु सहायक अर्थात पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा, वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा, और सब कुछ जो मैंनें जो तुम से कहा, तुम्हें स्मरण कराएगा'' (यूहन्ना 14:26) ।

ये महान आशीर्षे हैं, परन्तु इन्हें पाने के लिए, हमें अपना भाग करना होगा । इस संदेश में अध्यक्ष आएरिंग ने सीखाया था कैसे : [सुसमाचार] को बांटने की तैयारी अपने मन को प्रति दिन सुसमाचार की सच्चाइयों को भरने से करें । आप अपने मन को सुसमाचार से भरने के लिये क्या कर सकते हैं ?

बच्चे

बांटने को तैयार

अध्यक्ष आएरिंग ने कहा कि सुसमाचार को बांटने की तैयारी का महत्वपूर्ण तरीका है अपने मनों को सुसमाचार की सच्चाइयों से भरना । आप कौन सी कुछ चीजें कर सकते है बांटने को तैयार रहने के लिए ?

© 2012 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/11 । अनुवाद अनुमतिः 6/11 । *First Presidency Message, September 2012* का अनुवाद । Hindi । 10369 294

विशेष जरूरतें और सेवा प्रस्तुत करना

प्रार्थनापूर्वक इस सामाग्री को पढ़ें और, जैसा उचित हो, उन बहनों के साथ इसकी चर्चा करें जिन से आप भेंट करती हैं । अपनी बहनों को मजबूत करने और सहायता संस्था को अपने जीवन का सक्रिय हिस्सा बनाने में मदद के लिए प्रश्नों का प्रयोग करें ।

विश्वास, परिवार, सहायता

''दूसरों की जरूरतें हमेशा मौजूद रहती हैं,'' अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन ने कहा ,'' और हम में से प्रत्येक किसी अन्य के लिए कुछ कर सकता है । ... जबतक हम अन्यों की सेवा में अपने आपको खो न दें, हमारे जीवन का छोटा सा उदेश्य है ।''[1]

भेंट करने वाली शिक्षिका के रूप में हम ईमानदारी के साथ सभी बहनों को जिन से हम भेंट करती हैं जानती और प्रेम करती हैं । हम जिन से भेंट करती स्वाभाविक है कि उनकी सेवा करने के प्रेम में हम बह जाते हैं (देखें यूहन्ना 13:34–35) ।

हम कैसे जान सकते हैं बहनों की आत्मिक और अस्थाई जरूरतों के बारे में तकि हमें जरूरत पड़ने पर उन की सेवा कर सकें ? भेंट करने वाला शिक्षिका के रूप में, हम प्रेरणा प्राप्त करने लायक होते हैं जिनसे हम भेंट करते हैं हम उनके बारे में प्रार्थना करते हैं ।

लगातार बहनों से मिलते रहना आवश्यक होता है । व्यक्तिगत भेंट, टेलीफोन, एक प्रेरणादायक नोट, ई-मेल, उसके साथ बैठना, एक सुन्दर प्रतिक्रिया, गिरजे में उसतक पहूंचना, बीमारी या आवश्यकता के समय पर मदद करना, और सभी अन्य सेवा के कार्य हमारी मदद करते हैं एक दूसरे का ध्यान रखने में और एक दूसरे को शक्ति देनें में ।[2]

भेंट करने वाली शिक्षिका से बहनों के अच्छे रहन सहन, और विशेष जरूरतें, और सेवा जो उन को दी जा रही हैं को रिर्पोट करने को पूछा जाता है । इस तरह की रिर्पोट और हमारी सेवा हमारी बहनों के लिए हमारे शिष्यता को दर्शाती है ।[3]

धर्मशास्त्रों से

यूहन्ना 10:14–16; 3 नफी 17:7, 9; मरोनी 6:3–4

हमारे इतिहास से

एक दूसरे की सेवा करना हमेशा से भेंट करने के केंद्र में रहा है । इस प्रकार से करते हुए हम करूणा और मित्रता लाते हैं जोकि मासिक भेंटों से बढ़कर हैं । सही में हमारी देखभाल जोकि गिनी जाती है ।

''मेरी कामना बहनों के साथ निवेदन करना है कि फोन या मासिक भेंट की चिन्ता न करें, मेरी ऐलन स्मुट, सहायता सस्था में 13 वीं जनरल अध्यक्षा ने कहा था ।'' उन्होंने हम से कहा था कि, ''इनके बदले कोमल आत्माओं का पोषण करने पर ध्यान केंद्रति करैं ।''[4]

अध्यक्ष स्पेंसर डब्ल्यू. किंबल ने (1895–1985) सीखाया था,''यह आवश्यक है कि हम राज्य में एक दूसरे की सेवा करें'' । अभी वह जानता है कि सभी सेवाओं का शानदार होन की जरूरत नहीं है । ''अक्सर, हमारी सेवा करने के कार्यो में साधारण प्रोत्साहन या देना शामिल हो सकते हैं ... सांसारिक काम के साथ सहायता करें,'' उन्होंने कहा,''परन्तु क्या महिमाभरा परिणाम हो सकता है ... छोटे से लेकिन उद्देश्यपूर्ण कामों से !''[5]

विवरण

1. थॉमस एस. मानसन, "What Have I Done for Someone Today?" लियाहोना, नव. 2009, 85 ।
2. देखें *Handbook 2: Administering the Church* (2010), 9.5.1 ।
3. देखें *Handbook 2,* 9.5.4 ।
4. Mary Ellen Smoot, in *Daughters in My Kingdom: The History and Work of Relief Society* (2011), 117 ।
5. *Teachings of Presidents of the Church: Spencer W. Kimball* (2006), 82 ।

मैं क्या कर सकती हूं ?

1. क्या मैं व्यक्तिगत प्ररेणा खोज रही हूं कि कैसे अपनी बहनों की आत्मिक और स्थाई जरूरतों का जवाब दे सकूं जिसे के लिए मुझे नियुक्त किया गया है ?

2. किस तरह से मैं जिन बहनें का ख्याल करती जानती हैं कि मैं उनका और उनके परिवार की देखभाल करती हूं ?

अधिक सूचना के लिए,
www.reliefsociety.lds.org पर जाएं ।

© 2012 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/11 । अनुवाद अनुमतिः 6/11 । *Visiting Teaching Message, September 2012* का अनुवाद । Hindi । 10369 294